

新编花鸟画谱丛书

# 家禽家畜谱

本社 编



河北美术出版社

新编花鸟画谱丛书

# 家禽家畜谱

本社 编

河北美术出版社

策 划 曹宝泉 王国强  
责任编辑 王国强  
封面设计 苏进起 易 鸣  
内文设计 易 鸣 苏进起  
技术编辑 毛秋实

图书在版编目 (C I P) 数据

家禽家畜谱 / 本社编. — 石家庄: 河北美术出版社, 2007.6  
(新编花鸟画谱丛书)  
ISBN 978-7-5310-2787-4

I. 家… II. 河… III. ①家禽—翎毛走兽画—作品集—中国—现代②家畜—翎毛走兽画—作品集—中国—现代IV. J222.7

中国版本图书馆CIP数据核字 (2007) 第043221号

新编花鸟画谱丛书

家禽家畜谱 本社 编

---

出版发行 河北美术出版社

(石家庄市和平西路新文里8号 邮政编码050071)

制版印刷 深圳华新彩印制版有限公司

开 本 889mm × 1194mm 1/16

印 张 5

印 数 1 ~ 5000

版 次 2007年6月第1版

印 次 2007年6月第1次印刷

书 号 ISBN 978-7-5310-2787-4

---

定 价 30.00元

# 目 录

|      |              |    |     |              |    |
|------|--------------|----|-----|--------------|----|
| 崔子范  | 案头小景.....    | 1  | 谷爱萍 | 秋恋图.....     | 19 |
| 汤文选  | 兰花小鸡.....    | 1  | 郭书仁 | 色染新霜.....    | 20 |
| 李锡禄  | 雨后情趣.....    | 1  | 郭子良 | 喜鹅.....      | 20 |
| 刘保申  | 秋江.....      | 2  | 韩 玮 | 一年容易又秋声..... | 21 |
| 贾平西  | 鸡.....       | 2  | 韩绍愈 | 鸡有五德.....    | 21 |
| 齐辛民  | 长相依.....     | 3  | 黄书元 | 初雪.....      | 22 |
| 问 雨  | 池塘一角.....    | 3  | 李德君 | 大吉图.....     | 22 |
| 翟润书  | 情侣.....      | 4  | 应祚智 | 猫石图.....     | 22 |
| 巴 山  | 晴春.....      | 4  | 李志向 | 翩翩起舞.....    | 23 |
| 曹小钦  | 八骏图.....     | 4  | 王盛华 | 事事大吉.....    | 23 |
| 赵贵德  | 神骏雄风.....    | 5  | 洪世川 | 大吉利.....     | 24 |
| 蔡寅坤  | 蹒跚.....      | 5  | 蒋明君 | 秋园蚁趣图.....   | 24 |
| 张国兴  | 雏鸡.....      | 6  | 李晓东 | 大吉图.....     | 25 |
| 贾浩义  | 牛影.....      | 6  | 张 辰 | 相持不下.....    | 25 |
| 林 涛  | 曲径幽深嬉忘归..... | 7  | 王德芳 | 独赏.....      | 25 |
| 敦文静  | 我家的后花园.....  | 7  | 闫春炼 | 寒江.....      | 26 |
| 陈学周  | 三阳开泰.....    | 7  | 何兆明 | 春正浓.....     | 26 |
| 陈轻舟  | 秋阳.....      | 8  | 侯义栋 | 疆场雄风.....    | 27 |
| 陈增胜  | 宋人诗意.....    | 8  | 胡真来 | 吉祥如意.....    | 27 |
| 崔国安  | 春江水暖.....    | 9  | 黄伟昆 | 打一会儿盹儿.....  | 28 |
| 端木宁肃 | 听声.....      | 9  | 王金才 | 寒塘卧雪.....    | 28 |
| 崔培鲁  | 春雏.....      | 10 | 王若蒙 | 吉祥图.....     | 28 |
| 宫六朝  | 家园.....      | 10 | 贾志远 | 惹人爱.....     | 29 |
| 冷 爽  | 勃勃生机.....    | 10 | 局大宁 | 珠光露气.....    | 29 |
| 董秀玲  | 雨后.....      | 11 | 雷家民 | 秋水.....      | 30 |
| 邓文欣  | 雄风.....      | 11 | 李 潺 | 觅.....       | 30 |
| 邓云洲  | 秋趣.....      | 12 | 李同安 | 故乡拾趣.....    | 31 |
| 丁远远  | 春晓.....      | 12 | 李春霞 | 拈花一笑.....    | 31 |
| 高 海  | 绿水长.....     | 12 | 李自强 | 游春图.....     | 32 |
| 杜 鹃  | 室内.....      | 13 | 刘 宏 | 春塘.....      | 32 |
| 杜祥冰  | 溢香.....      | 13 | 林 岑 | 双鹅戏秋.....    | 33 |
| 樊昌哲  | 秋草.....      | 14 | 梁燕生 | 岁岁吉祥.....    | 33 |
| 段忻然  | 玉兔.....      | 14 | 田博庵 | 吉祥富贵.....    | 33 |
| 傅松华  | 鸭.....       | 15 | 吴 娜 | 毫鳌图.....     | 34 |
| 高卉民  | 冬有冬趣.....    | 15 | 刘万鸣 | 熟秋.....      | 34 |
| 牛恒泽  | 吉年大吉.....    | 16 | 陈湘波 | 甘下凡间啮草根..... | 34 |
| 高天祥  | 梦蝶图.....     | 16 | 刘植起 | 万里驰骋.....    | 35 |
| 高玉泉  | 毫鳌长春.....    | 16 | 柳咏絮 | 小鸡.....      | 35 |
| 陆路晴  | 独立.....      | 17 | 马 威 | 相依.....      | 36 |
| 高玉琦  | 游春图.....     | 17 | 马春耕 | 踏清秋.....     | 36 |
| 段国瑞  | 迎春.....      | 17 | 刘树允 | 风儿轻轻.....    | 37 |
| 高士尊  | 天伦情.....     | 18 | 潘文经 | 芦雁.....      | 37 |
| 公丕炎  | 瑞雪大吉图.....   | 18 | 邵 灵 | 春江水暖.....    | 37 |
| 龚德龙  | 乌鸡图.....     | 19 | 祁海峰 | 双冠图.....     | 38 |

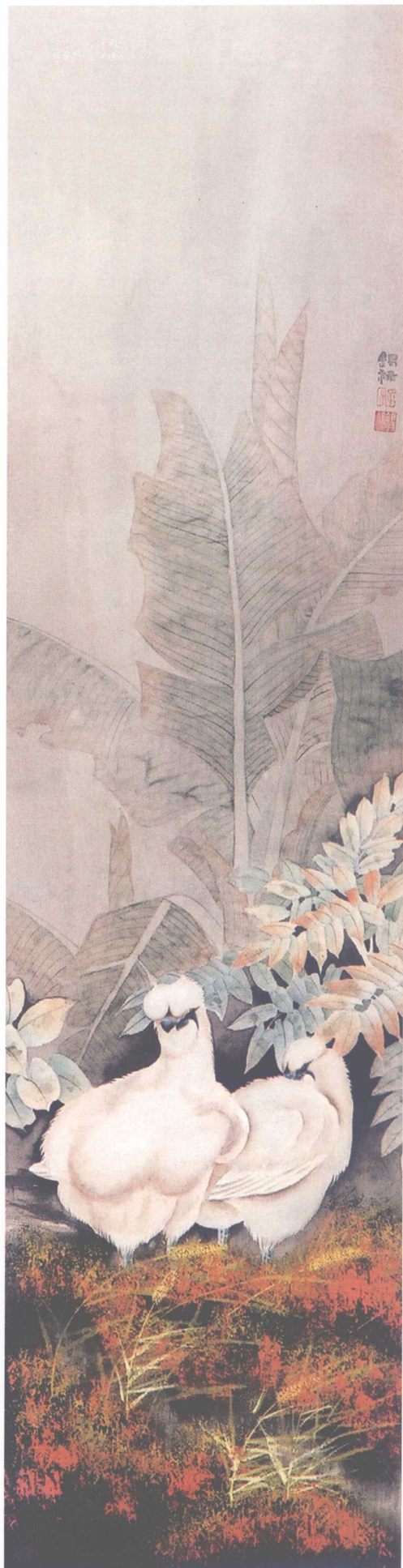


|     |              |    |         |              |    |
|-----|--------------|----|---------|--------------|----|
| 秦天林 | 秋韵.....      | 38 | 赫 洁     | 申红.....      | 57 |
| 荣子林 | 大光图.....     | 39 | 焦 凌     | 暖春.....      | 58 |
| 尚力昕 | 童年.....      | 39 | 靳晓燕     | 篱下群雄.....    | 58 |
| 苏宰北 | 六月草原.....    | 40 | 李滨先     | 群驴图.....     | 59 |
| 邢承军 | 闲趣.....      | 40 | 李大成     | 母子图.....     | 59 |
| 闫永辉 | 群鹅起舞图.....   | 40 | 李世苓     | 富贵吉祥.....    | 60 |
| 索铁生 | 深秋.....      | 41 | 林记杲     | 秋日私语.....    | 60 |
| 谈士屹 | 高鸣.....      | 41 | 李炎兴     | 小憩图.....     | 61 |
| 谭涤非 | 天伦乐.....     | 42 | 饶 颐     | 一家三口.....    | 61 |
| 王 健 | 春风绿岸.....    | 42 | 刘 灵     | 七九河开.....    | 61 |
| 杨大章 | 水牛.....      | 43 | 全太安     | 冬.....       | 62 |
| 王 飒 | 鱼鹰.....      | 43 | 曾昭明     | 家园.....      | 62 |
| 赵占秋 | 育子图.....     | 43 | 赵梅林     | 犁出粮田千万顷..... | 62 |
| 王洪超 | 老屋.....      | 44 | 杨 波     | 望秋图.....     | 63 |
| 王洪德 | 岁岁平安.....    | 44 | 范治斌     | 大吉图.....     | 63 |
| 薛 惠 | 瑞雪.....      | 45 | 赵典强     | 鸭趣.....      | 64 |
| 王铁成 | 得趣图.....     | 45 | 赵英水     | 家猫和瓶花.....   | 64 |
| 郑大千 | 晨曲.....      | 45 | 白 磊     | 母子图.....     | 65 |
| 王洪正 | 棉乡十月.....    | 46 | 刘发起     | 奔.....       | 65 |
| 黄继田 | 吉祥图.....     | 46 | 房 栋     | 金秋.....      | 66 |
| 王孝哲 | 一家人.....     | 47 | 刘华骏     | 暖日晴风.....    | 66 |
| 王云亮 | 南国薰风.....    | 47 | 刘金标     | 秋.....       | 67 |
| 谢 晖 | 春晓图.....     | 48 | 朱 琳     | 日当正午.....    | 67 |
| 颜 华 | 知秋.....      | 48 | 秘修斌     | 和平竞争.....    | 67 |
| 李新雁 | 早荷图.....     | 49 | 杜向阳     | 独立寒秋.....    | 68 |
| 易 峰 | 知秋图.....     | 49 | 吕应鑫     | 一家亲.....     | 68 |
| 殷励箴 | 花下鸡语.....    | 49 | 朱 臣     | 清风徐来.....    | 69 |
| 于长胜 | 香雪.....      | 50 | 余 涛     | 雪羽照日.....    | 69 |
| 曾广正 | 唱春.....      | 50 | 尹 虹     | 落暮寒鸭.....    | 70 |
| 张 健 | 寒来曙径.....    | 51 | 杨镇翁     | 共沐秋光.....    | 70 |
| 张 江 | 斗士争雄.....    | 51 | 王玉河     | 斗.....       | 71 |
| 张大放 | 赏春图.....     | 52 | 王英杰     | 秋情.....      | 71 |
| 张孝谦 | 耄耋长青.....    | 52 | 窦申清     | 鹅.....       | 72 |
| 张玉生 | 鹅戏图.....     | 53 | 潘晓云     | 回家.....      | 72 |
| 赵蓓欣 | 长相依.....     | 53 | 孟庆占     | 追逐.....      | 72 |
| 赵钦政 | 大吉图.....     | 54 | 孙广田     | 和睦一家.....    | 73 |
| 朱荣耀 | 和风伴侣.....    | 54 | 邵志杰     | 育子图.....     | 73 |
| 周亚男 | 富贵吉祥.....    | 55 | 闫 静     | 老母鸡.....     | 74 |
| 赵思温 | 苇塘情.....     | 55 | 孟凡杰     | 花前月下.....    | 74 |
| 罗镜泉 | 春情.....      | 55 | 任宝忠(任清) | 爱鹅图.....     | 75 |
| 张海宁 | 好梦.....      | 56 | 沈建国     | 浴春.....      | 75 |
| 季酉辰 | 诸祖传心印.....   | 56 | 孙贵璞     | 池畔.....      | 76 |
| 王英钢 | 秋情.....      | 56 | 王纯祥     | 观.....       | 76 |
| 韩拓之 | 花开花落总有情..... | 57 |         |              |    |
| 宋晓东 | 朝露.....      | 57 |         |              |    |

艺术的追求要执著，不能见异思迁，不能朝秦暮楚。对你最喜欢最爱的书法或绘画不能太偏爱，要吸收众家之长。实践告诉我们，优秀的艺术家，需要有很高的个人修养，修养越高，对今后的发展越有益。单纯练上一招一式，最终不会有很高的艺术造诣。只有较高的艺术修养，才能把握住艺术创作的主动权，才能经得起历史的筛选。



汤文选 兰花小鸡



李锡禄 雨后情趣





刘保申 秋江



贾平西 鸡

之所以“笔墨等于零”，才有了吴冠中的画风，之所以“守住底线”，才有了张仃的画格，之所以“百家争鸣”，才有了百花竞艳。主张不同其结果也是不同，各走各的路，谁也不妨碍谁，谁也代替不了谁。关键是能走出一条属于自己的成功之路。



问 雨 池塘一角







翟润书 情侣



巴山 晴春



曹小钦 八骏图





赵贵德 神骏雄风



蔡寅坤 蹒跚



张国兴 雏鸡



贾浩义 牛影







林 涛 曲径幽深嬉忘归



敦文静 我家的后花园



陈学周 三阳开泰





陈轻舟 秋阳

有位画家在日记中写道：“我的画像齐白石吗？像毕加索吗？幸好没有……”这不但道出了一个画家的追求，也说出了艺术的真谛。画贵自立，艺术贵在创新。



陈增胜 宋人诗意





崔国安 春江水暖

花鸟画表现范围很广，而它们都不是孤立的，生活生长规律都深受环境的影响，不断改换着面貌，我们掌握好其规律特性才能很好地表现。更重要的是画家还要多读多游多画多师友多练习书法，深入社会生活，做到思想新、意境新、技法新、情调美，提高艺术修养。爱祖国，对新社会新生活的关爱才能使笔下非人性的花鸟树石鱼虫等焕发出人的思想情志。



端木宁肃 听声





崔培鲁 春雏



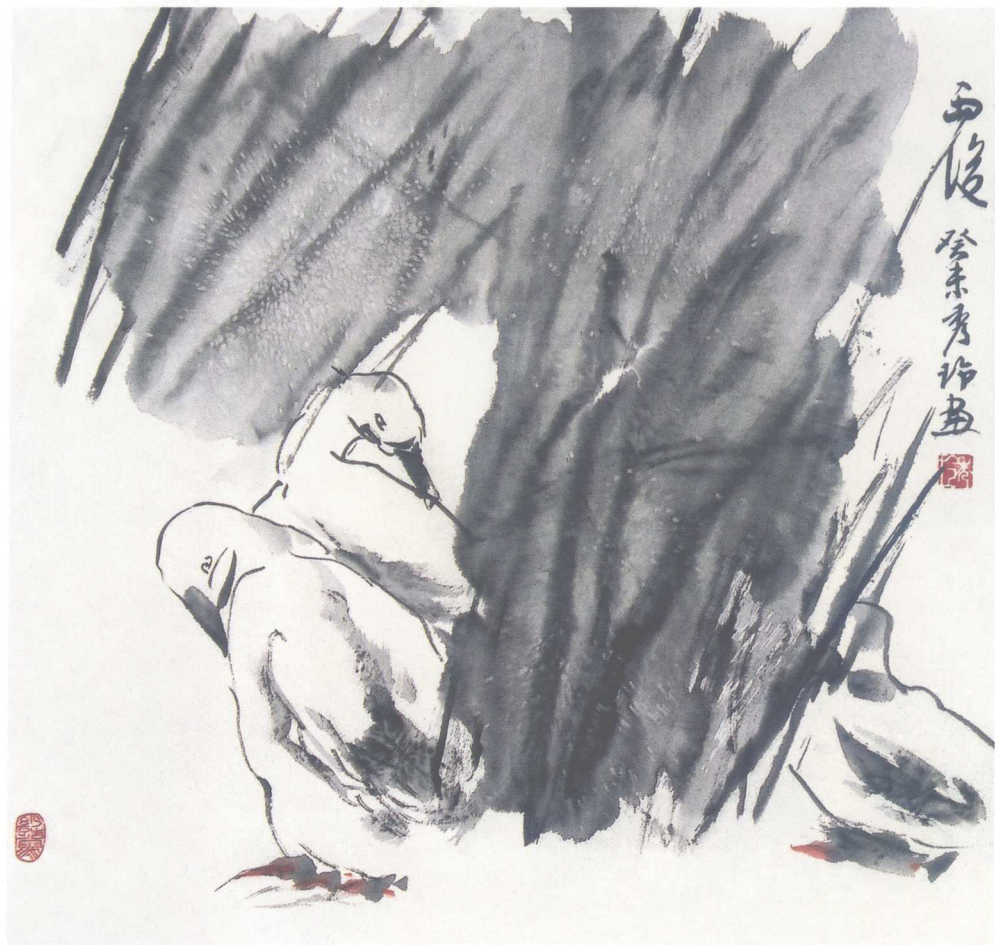
官六朝 家园



冷 爽 勃勃生机



董秀玲 雨后



邓文欣 雄风







邓云洲 秋趣



丁远远 春晓



高海 绿水长